(7) There is a lot of misappropriation of money in NCC Camps where the Officers-Commanding bungle and save tens of thousands of rupees.

(8) The maintenance of the camps is in a wretched condition. There is no proper arrangement for boarding, lodging and medical coverage.

(9) As the cadets do not get proper return of their labour and time, it is a sheer wastage of national resources.

(10) There is gross misbehaviour on the part of the Army Officers towards the.....

MR. CHAIRMAN: Let not all this be recorded. You kindly stop, Mr. Heerachand. You are making all sorts of allegations.

SHRI D. HEERACHAND: No, Sir. All these things have appeared in the Press.

MR. CHAIRMAN: Whatever has appeared in the Press need not be raised here

SHRI D. HEERACHAND: Sir through you I only want to make a submission that the Government should look into all these things and in order to look into these things, Sir, I submit that a national-level committee be constituted. I want to draw the attention of the Government to these things through you, Sir. Thank you. Sir.

MR. CHAIRMAN: I have an announcement to make. The Prime Miinster will make a statement in the Rajya Sabha at 5-00 P.M. today.

Now, we will continue with the Special Mentions. Yes, Mr. Satya Prakash Malaviya.

Reference to the Short Supply of coal to Obra Thermal Power Station

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, उत्तर प्रदेश में विद्युत उत्पादन के लिये जो मिर्जापुर में ओवरा विद्युत ताप गृह है, वहां विद्युत का जो उत्पादन होता है उससे किसानों के लिये बिजली की आपूर्ति होती है और छोटे बड़े जो उद्योग है उनके लिये बिजली की आपूर्ति होती है और उससे ही घरों में बिजली का इस्तेमाल होता है। लेकिन उत्तर प्रदेश में जो बिजली का उत्पादन है, वह वैसे ही कम है और आजकल उसमें कमी का विशेष कारण यह हो गया है कि जो रेल के जरिये कोयला पहुंचता है, उसमें रेलवे वेगन कम होने के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके अलावा वैगन वहां पर नियमित रूप से पहुंच नहीं पाते हैं। आज हालत यहां तक पहुंच चुकी है कि उत्तर प्रदेश के देहातों में किसानों को और नगरों में शहरियों के लिये 24 घंटों में से कहीं दो-दो घंटे और कहीं तीन-तीन घंटे ही बिजली की आपूर्ति हो पाती है। पहले रोजना चार-पांच रेक रेल के जरिये जाया करते थे लेकिन अब उनकी संख्या घटाकर दो कर दी गई है। मान्यवर, बिजली एक बहुत ही आवश्यक चीज है और क्योंकि रेल विभाग भी केन्द्रीय सरकार के अधीन है और कोयला विभाग भी केन्द्र सरकार का है इसलिये म केन्द्रीय सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस प्रकार की व्यवस्था करें कि वहां जो पहले रेलवे के चार-पांच रेक जाते थे कम से कम उतने तो जाएं या उनकी संख्या में वृद्धि की जाए वरन वहां स्थिति और भी गम्भीर हो जाएगी।

REFERENCE TO THE NEED TO CHECK SELLING OF FAKE LOTTERY TICKETS

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, मैं एक बहुत ही गम्भीर मामला आप की आज्ञा से उठाना चाहता हूं। अभी 11 अगस्त को टाइम्स आफ इंडिया में निकला है कि जो लाटरीज आज हिन्दुस्तान में प्राइवेट एजेंसीज जारी करती हैं उनमें 25 फीसदी लाटरीज फोरज्ड हैं, जाली हैं और जनता धोखे में आ रही है। सेंट्रल बैंक आफ इंण्डिया

[श्री वीरेन्द्र वर्मा]

ने 55 करोड़ रुपये का इस प्रकार का पेमेंट भी रोक दिया है और इसके इलावा यूनियन बैंक आफ इण्डिया में भी इसी प्रकार से ट्रेवलस चेक्स में करोड़ों रुपये का नुक्सान हो रहा है। उन्होंने भी पेमेंट रोका है। यह मामला कई वर्षों से देश में जारी है। मुझे मालूम नहीं कि राज्य सरकारों को केन्द्र सरकार को इसकी जानकारी है या नहीं। मुझे तो अखबार में पढ कर बहुत आश्चर्य हुआ कि हमारे राज्य वित्त मंत्री श्री जर्नादन पुजारी जी ने कहा कि प्रतिवर्ष 35 सौ करोड़ रुपये का इस प्रकार से नुक्सान हो रहा है। अब यह कब से जारी है, इसे भी वित्त मंत्री जी जरूर देखेंगे। अगर यह मामला बहुत वर्षों से जारी है तो यह क्यों चल रहा है और अगर बैंक की दृष्टि से जाली रसीदें, टिकटें हैं तो उन्हें रोकने में सरकार ने क्या किया और सरकार को क्या डिफिकल्टी है कि प्राइवेट एजेंसी को बन्द कर दें और केन्द्रीय सरकार अपनी तरफ से इसको चलाए। इसमें अगर कोई दिक्कत होगी तो उसको भी सरकार देखे। लेकिन यह एक चुनौती है राज्य सरकार को, केन्द्रीय सरकार को कि इस प्रकार की बुराई को जल्दी से जल्दी रोकें और जनता की जो लूट हो रही है जो भ्रष्टाचार हो रहा है इसको रोकने के लिए, जल्दी से जल्दी ठोस कदम उठाए।

The Deputy Chairman in the Chair.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): Madam,.....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Not now, because for special Mentions we never have the Ministers to reply. you can send him a reply.

श्री वीरेन्द्र वर्मा : आप लिख कर के भेज दीजिए

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Poojari, if you have any clarifications to make, please send the reply today. If we start this practice now, then Ministers will have to reply to every Special Mention immediately.

Shrimati Monika Das.

REFERENCE TO THE RECENT BANK ROBBERY IN CHITTRANJAN PARK, NEW DELHI

SHRIMATI MONIKA DAS (Karnataka): Madam Deputy Chairperson. I wound like to draw the attention of this House to the fact that some persons shouting pro-Bhindranwala slogans looted Rs.4.18 lakhs from the Bank of India in Chittaranjan Park on 21st August, the day before yesterday, at 12.55 p.m. Despite the presence of police there, these four persons entered the Bank and were there for 10-15 minutes. They locked up eight persons who were in the Bank, and then threatened the people that if they shout then, as they had seen in the papers about Longawal's case, the same fate will be meted out to them. They said that they were extremists and they were taking money from the banks. Madam, about a month ago there was a similar dacoity at the same place-Panchsheel Park. They looted Rs. 3.4 lakhs one month before. Still that case is unsolved. They could not find who had taken the money and what has happened. Now, this happened the day before yesterday.

My point is that these robbers entered the bank. The Security Guard was on leave. He was supposed to have joined in 10 days. I want to ask why that Guard had not joined in 10 days. How these people are entering inside the banks and looting lakhs and crores of rupees? You will find from the press reports that every other day some bank or a merchant or a businessman in Karol Bagh is being looted. In the banks, the Security Guards are sitting there. Now, these people enter and remain there for 10 or 15 minutes. They loot crores of rupees. The Security Guard is on leave and he has not joined. Why has he not joined? If they cannot sit there and check the extremists or the culprits, what is the use of keeping these Security Guards?